मासिक

आजाद बोल

RNI No. - MPHIN/2020/79860

वर्ष : 5 अंक : 9 इन्दौर, 15 अगस्त 2025 पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रुपए

प्रधानमंत्री मोदी ने 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर से लेकर जेट इंजन तक कई घोषणाएं कीं

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से कई प्रमुख घोषणाएं कीं, जिनमें भारत की पहली सेमीकंडक्टर चिप बनाने से लेकर जेट इंजन बनाने और परमाणु ऊर्जा के 10 गुना विस्तार तक की बातें शामिल थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने संबोधन में कहा कि 2025 के अंत तक 'मेड इन इंडिया' सेमीकंडक्टर चिप्स बाजार में उपलब्ध हो जाएंगे।

उन्होंने देश के युवाओं से सोशल मीडिया जैसे स्वदेशी प्रौद्योगिकी प्लेटफॉर्म विकसित करने का भी आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर कारखाना लगाने का विचार सबसे पहले 50-60 साल पहले आया था, लेकिन यह योजना तब तक अधर में लटकी रही, जब तक कि सरकार ने सेमीकंडक्टर उद्योग पर मिशन मोड में काम करना शुरू नहीं कर दिया, जिसके तहत छह चिप संयंत्र पहले से ही निर्माणाधीन हैं और चार और को हरी झंडी मिल गई है। इसके अलावा कई प्रोजेक्ट के बारे में भी पीएम मोदी ने जानकारी दी।

उनकी साहसिक घोषणाओं का लक्ष्य देश को 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने की राह पर अग्रसर करना है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत अब मिशन मोड में है। इस साल के अंत तक, देश अपनी पहली 'मेड इन इंडिया चिप' शुरू करेगा।'' उन्होंने कहा कि भारत की परमाणु ऊर्जा क्षमता 2047 तक 10 गुना बढ़ने वाली है। मोदी ने कहा कि अगले दो दशकों में परमाणु ऊर्जा उत्पादन क्षमता को 10 गुना से ज़्यादा बढ़ाने के मिशन के तहत 10 नए परमाणु रिएक्टर बनाने पर काम चल रहा है। प्रधानमंत्री ने वैज्ञानिकों और युवाओं को ''मेड इन इंडिया'' लड़ाकू विमानों के लिए देश के अपने जेट इंजन विकसित करने की चुनौती भी दी।

उन्होंने कहा, ''आज मेरा लाल किले की प्राचीर से देश के युवा वैज्ञानिकों, मेरे प्रतिभावान युवाओं , मेरे इंजीनियरों और प्रोफेशनल्स और सरकार के हर विभाग को आह्वान है, क्या 'मेड इन इंडिया' लड़ाकू विमान के लिए जेट इंजन हमारा अपना होना चाहिए कि नहीं ?'' प्रधानमंत्री ने वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में बड़े सुधारों की भी घोषणा की और नागरिकों के लिए दिवाली पर उपहार देने का वादा किया।

उन्होंने कहा, ''इस दिवाली में एक बहुत बड़ा तोहफा देशवासियों को मिलने वाला है। पिछले आठ साल से हमने जीएसटी का बहुत बड़ा रिफॉर्म किया, पूरे देश में टैक्स के बर्डन को कम किया, टैक्स की व्यवस्थाओं को सरल किया और आठ साल के बाद समय की मांग है, कि हम एक बार इसको रिव्यू करें, हमने हाई पावर कमेटी को बिठाकर के रिव्यू शुरू किया, राज्यों से भी विचार विमर्श किया।''

मोदी ने आर्थिक विकास में तेजी लाने, लालफीताशाही को कम करने, शासन को आधुनिक बनाने और 2047 तक 10 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था की मांगों के लिए भारत को तैयार करने के लिए अगली पीढ़ी के सुधारों को आगे बढ़ाने के मकसद से एक समर्पित सुधार कार्य बल के गठन की भी घोषणा की। उन्होंने एक लाख करोड़ रुपये की एक रोजगार योजना शुरू करने की भी घोषणा की, जिसके तहत नया रोजगार पाने वाले युवाओं को 15,000 रुपये की एकमुश्त राशि मिलेगी।

इस योजना का उद्देश्य तीन करोड़ से अधिक युवाओं को लाभान्वित करना है, जिससे 'स्वतंत्र भारत से समृद्ध भारत' तक का सेतु मज़बूत होगा। मोदी ने सीमावर्ती क्षेत्रों में घुसपैठ और अवैध प्रवास के कारण जनसांख्यिकीय असंतुलन के खतरों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने इस राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौती से निपटने के लिए एक उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन शुरू करने की घोषणा की, जिससे देश की एकता और अखंडता और उसके नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित हो सके। ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के प्रयास के तहत प्रधानमंत्री ने सौर, हाइड्रोजन, जलविद्युत और परमाणु ऊर्जा में बड़े विस्तार के साथ-साथ समुद्री संसाधनों का दोहन करने के लिए समुद्री अन्वेषण मिशन की घोषणा की।

लाल किले से पीएम मोदी का ऐतिहासिक 103 मिनट का भाषण, बतौर प्रधानमंत्री नया कीर्तिमान रचा!

नई दिल्ली। आज देश अपना 79वाँ स्वतंत्रता दिवस मना रहा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से इस समारोह का नेतृत्व किया। स्मारक की प्राचीर से लगातार 12वें स्वतंत्रता दिवस पर अपना संबोधन देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने तिरंगा फहराया और राष्ट्रगान गाया। इस समारोह में विशिष्ट अतिथियों, वरिष्ठ सरकारी और रक्षा अधिकारियों, और खिलाड़ियों सहित हज़ारों लोग शामिल हुए। सुचारू रूप से कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी ने एक नया कीर्तिमान भी रचा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से 103 मिनट लंबा भाषण दिया, जो भारत के इतिहास में किसी भी प्रधानमंत्री द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिया गया सबसे लंबा संबोधन है। मोदी ने पिछले साल 78वें स्वतंत्रता दिवस पर दिए गए अपने 98 मिनट के भाषण के रिकॉर्ड को इस वर्ष तोड़ दिया। साल 2024 से पहले उनका सबसे लंबा स्वतंत्रता दिवस भाषण 2016 में 96 मिनट का था, जबकि उनका सबसे छोटा भाषण 2017 में था जब उन्होंने 56 मिनट का भाषण दिया था।

यह 20 साल पुराना मामला, कोई सबूत नहीं-रॉबर्ट वाड्रा

नई दिल्ली। राहुल गांधी के वोट चोरी के आरोपों के बीच उनके बहनोई और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि लोगों को कांग्रेस नेता द्वारा की गई कड़ी मेहनत को समझना चाहिए, अन्यथा भाजपा गलत तरीके से चुनाव जीतती रहेगी। वहीं, हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े धन शोधन मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए वाड्रा ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वाड्रा ने हरियाणा के पंचकूला स्थित गुरुद्वारा नाडा साहिब में मत्था टेका और लंगर हॉल में सेवा की। उन्होंने लंगर भी खाया।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि देश में शांति और आपसी भाईचारा बना रहना चाहिए। खुद पर लगे आरोपो पर वाड्रा ने कहा कि मैं 24 बार ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) गया हूँ... मैंने उनके सभी सवालों के जवाब दिए हैं, और मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। वे मुझे कोई सबूत क्यों नहीं दिखाते? जब भी वे मुझे बुलाते हैं, मैं वहाँ जाता हूँ। मुझे और कोई स्पष्टीकरण देने की ज़रूरत नहीं है। उन्होंने दावा किया कि वे जो पूछ रहे हैं, यह मामला 20 साल पुराना है। उनके पास शुरू से ही सारी जानकारी है। मैंने सभी जवाब दे दिए हैं और मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। उन्हें सबूत दिखाने चाहिए। मैं देश में हूँ और जब भी वे (ईडी) मुझे बुलाएँगे, मैं वहाँ पहुँच जाऊँगा। और स्पष्टीकरण देने की कोई ज़रूरत नहीं है।

उन्होंने कहा कि आगे जो भी होगा, हम देखेंगे। मैं सभी जवाब दे रहा हूँ। डरने की कोई ज़रूरत नहीं है और छिपाने के लिए कुछ भी नहीं है। वाड्रा ने इससे पहले 2008 के हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े धन शोधन मामले में ईडी के समक्ष अपना बयान दर्ज कराया था। साथ ही उन्होंने कहा कि देश में शांति और आपसी भाईचारा बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी धार्मिक यात्रा पूरे देश में होती है। मैं यहाँ आया और माथा टेका। वाड्रा ने कहा, 'जैसा कि सभी जानते हैं कि गलत हो रहा है और सरकार (केंद्र) हर तरह से इसे अंजाम दे रही है। इसे रुकना चाहिए।'

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि राहुल और प्रियंका कड़ी मेहनत कर रहे हैं। लोगों को जागरूक होना चाहिए। देश के नागरिकों को जागरूक होना चाहिए और उन्हें राहुल की मेहनत समझनी चाहिए और उन्होंने इसका सबूत भी दे दिया है। सब कुछ सामने है। उन्होंने आरोप लगाया कि मुझे लगता है कि अगर हम अभी जागरूक नहीं हुए तो यह सरकार गलत तरीके से (चुनाव) जीतती रहेगी, चलती रहेगी, लोगों को बांटती रहेगी और लोगों को और अधिक परेशानी में डालती रहेगी।

जम्मू-कश्मीर में लौटा 'लोकतंत्र का पर्व'!

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर क्षेत्र का राज्य का दर्जा बहाल करने की उम्मीदें प्रबल हैं, लेकिन आशावाद कम होने के बावजूद संघर्ष जारी रहेगा। राज्य का दर्जा बहाल करने पर उन्होंने कहा, 'मेरे शुभचिंतकों ने मुझे बताया था कि स्वतंत्रता दिवस पर जम्मू-कश्मीर के लिए कुछ बड़ी घोषणा की जाएगी। उम्मीद की किरण धुंधली पड़ रही है, लेकिन हम हार नहीं मानेंगे।' उन्होंने आगे कहा, 'हमें बताया गया था कि जम्मू-कश्मीर को देश के अन्य हिस्सों के बराबर लाया जाएगा। आज मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या हम ऐसा कर पा रहे हैं?' जम्मू कश्मीर में उमर अब्दुल्ला आठ साल बाद ध्वजारोहण और श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता करने वाले पहले निर्वाचित मुख्यमंत्री बने। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ़्ती ने 2017 में आखिरी बार यहां स्वतंत्रता दिवस समारोह की अध्यक्षता की थी। जून 2018 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पीडीपी के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार से समर्थन वापस ले लिया था, जिसके बाद तत्कालीन राज्य में राज्यपाल शासन लागू हो गया था।

उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

इंदौर संभाग के आठों जिलों में एक साथ हुआ मुख्यमंत्री के संदेश का लाईव प्रसारण

इन्दौर। पूरे देश के साथ ही इंदौर संभाग में भी स्वतंत्रता दिवस देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ मनाया गया। हर घर तिरंगा-हर घर स्वच्छता अभियान के चलते इंदौर संभाग में स्वतंत्रता दिवस पर उत्सवी माहौल रहा। चहुंओर अपार उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास दिखाई दिया। कार्यक्रम में पहली बार एक साथ संभाग के सभी आठों जिलों क्रमशः इंदौर, बड़वानी, झाबुआ, खरगोन, खण्डवा, आलीराजपुर, बुरहानपुर और धार में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का एलईडी स्क्रीन पर लाईव प्रसारण हुआ, जिसे देखा और सुना गया। स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय महापर्व पर संभाग के सभी प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी ध्वजारोहण किया गया।

इंदौर में मुख्य समारोह महेश गार्ड लाइन स्थित सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के मैदान में आयोजित हुआ। मुख्य समारोह में जिला कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, आईजी श्री अनुराग, पुलिस आयुक्त श्री संतोष कुमार सिंह, अपर आयुक्त पुलिस श्री अमित सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, जिला पंचायत के सीईओ श्री सिद्धार्थ जैन सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

बड़वानी जिला मुख्यालय पर पीएमश्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह आयोजित हुआ। प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार एवं बड़वानी जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने ध्वजारोहण किया एवं परेड की सलामी ली। समारोह पर पुलिस दल, सशस्त्र बल, वन विभाग, जिला होमगार्ड बल तथा एनसीसी सीनियर एवं जुनियर, स्काउट गाईड का दल, शौर्य दल द्वारा मार्च पास्ट प्रस्तुत कर मुख्य अतिथि को सलामी दी गई । समारोह में सांसद श्री गजेन्द्रसिंह पटेल, राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेरसिंह सोलंकी, कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग, पुलिस अधीक्षक श्री जगदीश डावर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

झाबुआ जिले में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मुख्य आतिथ्य में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस का मुख्य कार्यक्रम डीआरपी लाइन परेड ग्राउंड में आयोजित हुआ। मुख्य समारोह में कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना ने ध्वजारोहण किया तथा परेड की सलामी ली। कलेक्टर द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों, जिले के पद्मश्री से सम्मानित व्यक्तियों और शहीदों के परिजनों का सम्मान किया गया। कलेक्टर ने सभी जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना हेतु बधाई संदेश एवं विगत वर्ष में जिले की उपलब्धियों का वाचन किया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान सहित संख्या में प्रशासनिक अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

खरगोन जिले में जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह जिला प्रभारी मंत्री तथा सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग के मुख्य आतिथ्य में डीआरपी लाइन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मंत्री श्री सारंग ने कलेक्टर सुश्री भव्या मित्तल और पुलिस अधीक्षक श्री धर्मराज मीणा की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया और परेड की सलामी ली। इस अवसर पर विधायकगण श्री बालकृष्ण पाटीदार, श्री राजकुमार मेव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अनुबाई तंवर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आकाश सिंह सहित अन्य जिला अधिकारी एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

खंडवा जिले में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्य मंत्री एवं खंडवा जिले के प्रभारी मंत्री श्री धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी ने ध्वजारोहण कर परेड की सलामी ली। उन्होंने इस अवसर पर रंग-बिरंगे गुब्बारे छोड़े। प्रभारी मंत्री श्री लोधी ने इस अवसर पर नागरिकों के लिए शुभकामना संदेश का वाचन भी किया। कार्यक्रम में विधायक श्रीमति कंचन मुकेश तन्वे, महापौर श्रीमति अमृता अमर यादव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमति पिंकी सुदेश वानखेड़े, कलेक्टर श्री ऋषव गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार राय सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद थे।

संभागायुक्त दीपक सिंह ने किया ध्वजारोहण

इन्दौर। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संभागायुक्त कार्यालय में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास श्री डी.एस. रणदा, संयुक्त आयुक्त श्रीमती शैली कनाश, उपायुक्त श्रीमती सपना लोवंशी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। इसी तरह संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने आईडीए परिसर में तथा रेसीडेंसी क्लब में भी ध्वजारोहण किया। आईडीए परिसर में आईडीए के सीईओ श्री आर.पी. अहिरवार सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

कलेक्टर आशीष सिंह ने कलेक्टर कार्यालय में किया ध्वजारोहण

इन्दौर। इंदौर जिले में स्वतंत्रता दिवस पूर्ण उमंग और उल्लास के साथ मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अशासकीय, शासकीय, सार्वजनिक भवनों और कार्यालयों में भी ध्वजारोहण किये गये। कलेक्टर कार्यालय में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर गौरव बेनल, रोशन राय सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे।

जोश, जुनून, अपार उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ उत्सवी माहौल में मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मुख्य समारोह में कलेक्टर आशीष सिंह ने किया ध्वजारोहण

इन्दौर। इंदौर जिले में हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता अभियान के चलते स्वतंत्रता दिवस आज देशभक्ति के जज्बे, जोश और जुनून के साथ उत्सवी माहौल में मनाया गया। इंदौर में चहुंओर अपार उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास दिखाई दिया। पूरा इंदौर तिरंगामय रहा। इंदौर के महेश गार्ड लाइन स्थित सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण महाविद्यालय के मैदान में पूर्ण गरिमा और हर्षोल्लास के साथ आयोजित मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया तथा परेड की सलामी ली। कार्यक्रम में राष्ट्रीय धुन और राष्ट्रभक्ति के गीतों के बीच जवानों ने आकर्षक परेड प्रस्तुत की। स्वतंत्रता दिवस के इस राष्ट्रीय महापर्व पर जिले के प्रमुख सार्वजनिक स्थानों, शासकीय कार्यालयों और शैक्षणिक संस्थाओं में भी ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी रंगारंग प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम में पहली बार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का एलईडी स्क्रीन पर प्रसारण किया गया। मुख्य समारोह में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने खुली जीप में परेड का निरीक्षण किया। समारोह में पुलिस आयुक्त श्रीसंतोष कुमार सिंह भी विशेष रूप से उपस्थित थे। समारोह में सशस्त्र बलों ने स्वतंत्रता दिवस अमर रहे के नारों के बीच हर्ष फायर किये। खुले आकाश में रंगीन गुब्बारे छोड़े गये।

मुख्य समारोह में विभिन्न विभागों के 17 दलों ने परेड में हिस्सा लिया। इनमें सीमा सुरक्षाबल, आरएपीटीसी, प्रथम वाहिनी, 15वीं वाहिनी, जिला पुलिस बल (पुरूष), जिला पुलिस बल (महिला), नगर सेना, यातायात पुलिस, स्काउट, गाईड, रेडक्रॉस, आरआई ग्रुप, एसपीसी, सृजन दल, शौर्या दल प्रमुख रूप से रहे। परेड का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक आरएपीटीसी नीति दंडोतिया ने किया। उनका अनुकरण टूआईसी सूबेदार सोनाली वास्कले ने किया। समारोह में प्रथम वाहिनी और बीएसएफ का बैंड भी आकर्षण का केन्द्र रहा।

समारोह में देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी गई। कार्यक्रम के दौरान गरिमा विद्या मंदिर, शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर, शासकीय सांदीपनि अहिल्या आश्रम कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक-1 और उमिया पाटीदार कन्या विद्यालय के विद्यार्थियों ने देश भक्ति तथा लोकगीतों पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी।

परेड में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले दलों को भी पुरस्कृत किया गया। परेड के 'अ' वर्ग में प्रथम स्थान बीएसएफ और द्वितीय स्थान आरएपीटीसी को दिया गया। 'ब' वर्ग में प्रथम स्थान गाईड को और द्वितीय स्थान रेडक्रास के प्लाटून को प्राप्त हुआ। इसी तरह 'स' वर्ग में प्रथम बीएसएफ के बैंड और द्वितीय प्रथम वाहिनी के बैंड को दिया गया। साथ ही स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, उनके परिजनों और लोकतंत्र सेनानियों का भी सम्मान कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने किया।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करने स्कूलों को पुरस्कृत किया गया। प्रथम स्थान शासकीय उत्कृष्ट बाल विनय मंदिर, दूसरा स्थान शासकीय सांदीपनि अहिल्या आश्रम क्रमांक-1 तथा तीसरा स्थान उमिया पाटीदार कन्या विद्यालय को दिया गया। समारोह में जिले में वर्षभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी-कर्मचारियों सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत किया।

हाईकोर्ट में ध्वजारोहण

इन्दौर। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ परिसर में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आज प्रशासनिक न्यायाधीश विवेक रूसिया द्वारा ध्वजारोहण किया गया। इस अवसर पर हाईकोर्ट के न्यायाधीशगण सहित अधिकारीगण और अधिवक्तागण मौजूद थे।

मालवा मिल ब्रिज से गिरकर युवक की मौत, लोगों में भारी गुस्सा

इंदौर। नगर निगम की लापरवाही से मालवा मिल ब्रिज के नीचे गिरने से एक युवक की मौत हो गई। यह ब्रिज फिलहाल बन रहा है, मौके पर न तो किसी तरह की बैरिकेडिंग की गई थी और न किसी गार्ड की तैनाती थी। मृतक की पहचान गोलू कुशवाहा, निवासी- भागीरथपुरा के रूप में हुई है। इस पुल की निर्माण अवधि 100 दिन तय की गई थी, लेकिन 4 महीने बाद भी यह अभी तक अधूरा पड़ा है।

100 दिन में बनने वाला पुल 4 महीने बाद भी अधूरा

स्थानीय दुकानदारों के अनुसार, युवक तेज गति से बाइक चलाते हुए ब्रिज के उस हिस्से तक पहुंच गया, जहां खुदाई और मलबे का ढेर लगा था। बताया जा रहा है कि ब्रिज अधूरा होने के कारण वहां गड्ढा था, जिसे युवक अंधेरे में नहीं देख पाया और बाइक समेत उसमें गिर पड़ा। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए युवक को बाहर निकाला और 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुल का काम चलने के कारण चार महीने से अधिक समय से यह सड़क बंद है। नगर निगम और ठेकेदार कंपनी के वादों के बावजूद 40 प्रतिशत से ज्यादा काम अभी भी अधूरा है। हादसे के बाद क्षेत्र के व्यापारी और निवासी आक्रोशित हैं, उन्होंने सोमवार को जोरदार प्रदर्शन किया। 30 मार्च 2025 को नगर निगम ने इस पुल को तोड़कर नया निर्माण शुरू किया था। उस समय दावा किया गया था कि 100 दिन में पुल चालू हो जाएगा। लेकिन, अब साढ़े चार माह बीत चुके, अभी भी निर्माण कार्य का बड़ा हिस्सा बाकी है। पुल 30 मीटर चौड़ा और 21 मीटर लंबा बनाया जाना है, जिस पर करीब 6 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

टेंडर की शर्तों के मुताबिक निर्माण स्थल के दोनों ओर पर्याप्त रोशनी और बेरिकैडिंग का इंतजाम होना चाहिए था। लेकिन, मौके पर रोशनी नहीं है व बेरिकैडिंग के भी ठीक इंतजाम नहीं हैं। सड़क पर मिट्टी के ढेर डालकर रास्ता रोका गया है, जो रात के अंधेरे में दिखाई नहीं देता। हादसे की रात राधेश्याम का वाहन ऐसे ही एक ढेर से टकराकर नाले में गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

काम चलने से पुल बंद है और आसपास के व्यापारियों का कारोबार ठप हो गया। लोगों का कहना है कि चार महीने से वे आर्थिक संकट में हैं। आक्रोशित व्यापारी और निवासी निर्माणाधीन पुल के पास पहुंचे और निगम व ठेकेदार के खिलाफ नारेबाजी की। उनका आरोप है कि सुरक्षा इंतजाम में लापरवाही के कारण ही यह हादसा हुआ है। मुख्य मार्ग बंद होने से वाहन चालकों को छोटी गलियों से होकर गुजरना पड़ रहा है। इन गलियों में दिन-रात यातायात का दबाव रहता है और गड्ढों के कारण हालत और भी खराब हो गई है।

जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने कहा कि ठेकेदार एजेंसी को काम की गति बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं और 2 अक्टूबर तक पुल पूरी तरह चालू कर दिया जाएगा। इससे पहले दोपहिया वाहनों का आवागमन शुरू करने की योजना है। साथ ही, बेरिकैडिंग और रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।

आयुक्त भनोट का इंदौर दौरा : लेवल-2 फ्लाईओवर से लेकर टीपीएस विकास कार्यों का लिया जायजा

इंदौर। नगर एवं ग्राम निवेश आयुक्त श्रीकांत भनोट बुधवार को शहर के बड़े विकास कार्यों की प्रगति जांचने निकले। दौरे की शुरुआत उन्होंने लेवल-2 फ्लाईओवर से की,जहां प्रत्येक कंपोनेंट का बारीकी से निरीक्षण कर अधिकारियों को समयबद्ध और उच्च गुणवत्ता में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

इसके बाद भनोट आईएसबीटी कुमरेडी पहुंचे। यहां उन्होंने यात्री सुविधाओं, बस संचालन और सुरक्षा प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने व्यवस्था में सुधार और यात्री सुविधा केंद्र को और उन्नत बनाने के सुझाव दिए। दौरे का अगला पड़ाव टीपीएस 4 और 5 रहा, जहां आयुक्त ने मास्टर प्लान सड़क निर्माण, मियावकी पद्धति से विकसित हो रहे गार्डन और बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि ये प्रोजेक्ट न केवल शहर के यातायात और सौंदर्य को निखारेंगे,बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऐतिहासिक धरोहरों के संवर्धन में भी अहम भूमिका निभाएंगे। निरीक्षण के दौरान आईडीए के अधिकारियों और इंजीनियरों ने प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। भनोट ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी और गुणवत्ता से समझौता करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

कॉलोनियों में सुरक्षा बढ़ाने को लेकर पुलिस-नागरिक बैठक

इंदौर। थाना क्षेत्र के सिंगापुर ग्रीन, द ग्रेट मराठा और ओमेक्स सिटी-01 शुभांगन कॉलोनियों में पुलिस ने निवासियों के साथ बैठक कर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा की। बैठक में सीसीटीवी कैमरे सक्रिय रखने, रात्रि में गार्डों की सतर्कता बढ़ाने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने पर जोर दिया गया। कॉलोनीवासियों ने पुलिस गश्त बढ़ाने और प्रवेश द्वार पर चेकिंग को सख्त करने की मांग रखी। बैठक में बीट प्रभारी, बीट आरक्षक और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। पुलिस ने सामूहिक प्रयास से सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने का भरोसा दिलाया।

डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया का एमवाय अस्पताल में औचक निरीक्षण

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अरविंद घनघोरिया ने देर रात एमवाय अस्पताल के आकस्मिक चिकित्सा और इमर्जेंसी विभाग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कैजुअल्टी में पदस्थ चिकित्सकों और स्टाफ से मुलाकात कर उनके कार्य की सराहना की तथा जरूरी दिशा-निर्देश दिए। डॉ. घनघोरिया ने कहा कि मरीजों की समस्याओं का त्वरित निदान और उपचार प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि उन्हें समय पर राहत मिल सके। निरीक्षण के दौरान सर्जरी विभाग के डॉ. उपेंद्र पाण्डेय और अन्य रेजिडेंट डॉक्टर्स भी मौजूद रहे। डीन ने अस्पताल प्रबंधन और चिकित्सकों से मिलकर सेवा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने पर जोर दिया।

पहली बार महिला कलाकार स्वाति लवंगड़े को मिलेगा मालव रत्न अलंकरण

इंदौर। नेताजी सुभाष मंच एवं श्री गीता-रामेश्वरम ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में 21 अगस्त को प्रातः 10.30 बजे इंडियन कॉफी हाउस, रीगल तिराहा में मालव रत्न अलंकरण समारोह होगा। पहली बार यह सम्मान एक महिला कलाकार- सौ. स्वाति दीपक लवंगड़े को दिया जाएगा। देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती पर मातृशक्ति को नमन स्वरूप यह अलंकरण प्रदान किया जा रहा है। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा होंगे, साथ ही कई गणमान्यजन मौजूद रहेंगे।

नवरात्रि महोत्सव की तैयारियों का महापौर ने किया निरीक्षण

इंदौर। माँ अहिल्या की धर्म नगरी में धार्मिक चेतना व सांस्कृतिक धरोहर को सशक्त करने के लिए भव्य आयोजनों की परंपरा निरंतर जारी है। इसी कड़ी में 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक 11 दिवसीय भव्य एवं दिव्य नवरात्रि महोत्सव का आयोजन नर्मदा चौराहा स्थित होने जा रहा है। महोत्सव की पूर्व तैयारियों का महापौर ने स्थल पर निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महापौर ने सफाई, सजावट,विद्युत व्यवस्था और सुरक्षा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उन्होंने जगतगुरू आचार्य श्री वसंत विजय आनंद गिरि से आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम स्थल पर विधायक मधु वर्मा, पार्षद प्रशांत बडवे, महापौर प्रतिनिधि भारत पारख सहित जनप्रतिनिधि और स्थानीय रहवासी मौजूद रहे। महोत्सव में धार्मिक अनुष्ठान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और भजन संध्याएं आयोजित की जाएंगी।

आरटीओ की कार्रवाई : 15 वाहन चालकों पर जुर्माना, एक बस जब्त

इंदौर। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) द्वारा लोक परिवहन वाहनों, स्कूल बसों और अन्य वाहनों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान ओवरलोडिंग, अधिक किराया वसूलने, स्पीड गवर्नर और आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। साथ ही वाहन मालिकों को एचएसआरपी नंबर प्लेट लगवाने के लिए भी प्रेरित किया गया। इंदौर-महू, इंदौर-सेंधवा और बड़वानी रूट की बसों की जांच के दौरान कई कमियां पाई गईं। दस्तावेज अधूरे होने, क्षमता से अधिक सवारी बैठाने और परमिट शर्तों के उल्लंघन पर 15 से अधिक वाहनों पर कार्रवाई की गई।

मध्यप्रदेश वफ्फ बोर्ड मुख्यालय पर गरिमामय आयोजन में ध्वजारोहण

मध्य प्रदेश वक़्फ़ बोर्ड मुख्यालय भोपाल आज देश की स्वतंत्रता दिवस की 79 वीं वर्षगांठ को धूमधाम से मनाया गया।
डॉ सनवर पटेल अध्यक्ष मध्यप्रदेश वक्फ बोर्ड ने वफ्फ मुख्यालय पर किया ध्वजारोहण।

वफ्फ बोर्ड के गरिमामय आयोजन में बोर्ड के अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी द्वारा देश प्रदेश की जनता को दिये गये संदेश का भी उल्लेख किया। वफ्फ बोर्ड अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल ने मदरसा हमीदिया में बताया कि जिस जगह राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराया गया है वह भोपाल का सबसे पुराना ऐतिहासिक मदरसा है, पटेल ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश को स्वतंत्रता कैसे प्राप्त हुई, आने वाली पीढ़ी को निरंतर बताये जाने की आवश्यकता है, नई युवा पीढ़ी को भारत के विशाल इतिहास बताया जाना चाहिए यह हम सभी का देश के प्रति कर्तव्य बनता है।

स्वतंत्रता दिवस के आयोजन में शहर काजी मुश्ताक अली नदवी साहब, भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष एम एजाज़ खान , सीईओ फरजाना ग़ज़ाल,अकमल ज़रदारी जी, मो.याकूब ,ज़िलाध्यक्ष वक़्फ़ बोर्ड इरशाद अंसारी, रमीज़ कुरैशी,ज़हरान हसन सहित बड़ी संख्या में मध्यप्रदेश के वफ्फ बोर्ड एवं भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे ।

गंभीर जल संकट खत्म, उज्जैनवासियों तक पहुंचा नर्मदा जल

उज्जैन। गंभीर डैम के लगभग सूख जाने से उज्जैन शहर पिछले डेढ़ माह से पानी की किल्लत झेल रहा था। डैम में अब मात्र 8 दिन का पानी बचा है। ऐसे संकट के समय शुक्रवार को शहर के लिए बड़ी राहत मिली, जब पाइपलाइन के जरिए नर्मदा का 129 एमएलडी पानी गंभीर डैम तक पहुंच गया। शाम करीब 4:30 बजे यह पानी ग्रामीण क्षेत्र की नल-जल योजना के तहत बनाए गए इंटेक से डैम में आया। नगर निगम आयुक्त अभिलाष मिश्रा ने बताया कि गऊघाट पर इंटेक से सीधे जोड़ने का पाइपलाइन कार्य चार दिनों में पूरा हो जाएगा। इसके बाद नर्मदा का पानी सीधे जल प्रदाय व्यवस्था से जुड़ जाएगा और शहर में सप्लाई आसान हो जाएगी। वर्तमान में उज्जैन शहर की प्रतिदिन की पानी की आवश्यकता 112 एमएलडी है। नर्मदा से 129 एमएलडी पानी रोजाना आता रहेगा, जिससे शहरवासियों को काफी राहत मिलेगी। हालांकि यह पानी डैम को पूरी तरह नहीं भर पाएगा, क्योंकि इसके लिए रोजाना 6 एमसीएफटी पानी की जरूरत होती है। फिर भी फिलहाल के लिए यह कदम उज्जैन के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में गिरावट, 10 साल में 69 संस्थान हुए बंद

इंदौर। प्रदेश में छात्रों का निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों के प्रति रुझान कम हो गया है। एक दशक पहले इंजीनियरिंग कॉलेजों की बाढ़ आ गई थी। लेकिन विद्यार्थियों के ज्यादा रुचि नहीं दिखाने के कारण अब संया लगातार घटती जा रही है। पिछले 10 साल में प्रदेश में 69 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज बंद हो चुके हैं। इसके साथ सरकारी इंजीनियरिंग कॉलेजों में जहां 90 फीसदी तक सीटों पर प्रवेश हो रहे हैं वहीं निजी कॉलेजों में केवल 45 से 55 फीसदी प्रवेश हो पा रहे हैं। बंद होने वाले कॉलेजों में सबसे ज्यादा 24 भोपाल के हैं। जानकार इसके पीछे वर्तमान परिदृश्य से कदमताल नहीं मिला पाने को बड़ा कारण मान रहे हैं।

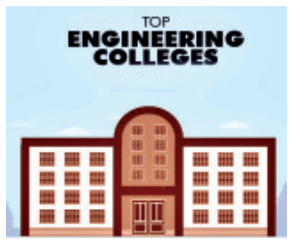

वर्ष 2015-16 में मध्यप्रदेश में 203 निजी इंजीनियरिंग कॉलेज थे। जबकि वर्ष 2024-25 तक इनमें से 69 कॉलेज बंद हो चुके हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार भोपाल के 24, इंदौर के 16, ग्वालियर के 12 और जबलपुर के 6 कॉलेज बंद हुए हैं, शेष अन्य जिलों के हैं। कुछ कॉलेज मापदंडों पर खरे नहीं उतरने के चलते मान्यता हासिल नहीं कर पाए तो कुछ कॉलेजों में सुविधाएं नहीं होने के कारण प्रवेशार्थियों ने रुचि नहीं दिखाई। विधानसभा में विधायक अजय सिंह के प्रश्न के लिखित जवाब में तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने यह जानकारी दी है। मंत्री ने बताया कि देश एवं प्रदेश स्तर पर छात्रों का अन्य पाठ्यक्रमों में रूझान होने के कारण इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या कम हुई है।

निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में प्रवेश की स्थिति देखें तो वर्ष 2015-16 में निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में 81 हजार 162 सीटें उपलब्ध थी, जबकि प्रवेश 39 हजार 906 हुए थे। वहीं वर्ष 2024-25 निजी इंजीनियरिंग कॉलेजों में डिग्री पाठ्यक्रम की 64 हजार 206 उपलब्ध सीटों में से 35 हजार 64 प्रवेश हुए। यह महज 54 प्रतिशत हैं, यानी 46 प्रतिशत निजी कॉलेजों की सीटें खाली ही रहीं।

छात्रा से छेड़छाड़

इंदौर। मां के साथ क्लिनिक जा रही छात्रा से मनचले ने छेड़छाड़ की। जानकारी के मुताबिक, छात्रा उसकी मां को लेकर शिवकंठ नगर इलाके में डॉक्टर के क्लिनिक पर जा रही थी। तभी रास्ते में गौरव आया, उसने रास्ता रोकते हुए हाथ पकड़ा और कहा कि वह बात क्यों नहीं करती। इसके बाद गौरव धमकी देने लगा। छात्रा की मां ने रोकने की कोशिश की तो आरोपी ने उससे भी हुज्जत की। बाद में छात्रा ने अपने पिता को कॉल कर मौके पर बुलाया। छात्रा के पिता ने गौरव से बात करनी चाही, लेकिन पहले उसने अपशब्द कहे और फिर हाथापाई करने लगा। घटनास्थल पर मौजूद लोग इकट्ठा होने लगे तो गौरव मौके से भाग गया। छात्रा रात को परिजनों के साथ बाणगंगा थाने पहुंची और गौरव चौहान के खिलाफ शिकायत की। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सीएम राइज स्कूल बस सेवा ठप

इंदौर। संभाग के 11 सीएम राइज स्कूलों में पढने वाले हजारों छात्रों की बस सेवा पिछले दो महीने से ठप है, जिससे बच्चों और अभिभावकों की परेशानी बढ़ गई है। कई अभिभावकों ने बस सुविधा देखकर ही प्राइवेट स्कूलों से बच्चों का एडमिशन सीएम राइज में कराया था,लेकिन अब उन्हें रोजाना निजी साधनों या पैदल स्कूल पहुंचाना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, बस संचालन का टेंडर समाया ग्रुप के समीर खान को मिला था, लेकिन उनके देवास जेल जाने के बाद टेंडर निरस्त कर दिया गया। नई व्यवस्था शुरू न होने से पढ़ाई पर असर पड़ रहा है। मंगलवार को बस ऑनर संगठन के सदस्य कलेक्टर आशीष सिंह को ज्ञापन सौंपने पहुंचे और बस सेवा तुरंत बहाल करने व नए सिरे से टेंडर प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। बस ऑनर अक्षत सिंह ने बताया कि टेंडर में 100 बसें लगाने का प्रावधान था, लेकिन हकीकत में केवल 40-42 बसें ही चलीं। कमी के कारण कई छात्र लंबी दूरी पैदल तय करने को मजबूर हुए,जिससे अभिभावकों में नाराजगी है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले बच्चों की उपस्थिति में भी गिरावट दर्ज की गई। कलेक्टर आशीष सिंह ने आश्वासन दिया कि बच्चों की पढ़ाई और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए बस सेवा बहाली के लिए जल्द ठोस कदम उठाए जाएंगे।

पीथमपुर सेक्टर-7 में भू-स्वामियों को भूखण्डों का किया गया आवंटन

इन्दौर। मध्यप्रदेश निवेश क्षेत्र विकास नियम अन्तर्गत स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 का विकास कार्य एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा किया जा रहा है। योजनान्तर्गत सम्मिलित भू-धारकों को आपसी सहमति के आधार पर भूमि का अर्जन लैण्ड पुलिंग पद्धति से किया जा रहा है। भू-धारकों से अर्जित भूमि के एवज में कलेक्टर गाईड लाईन की दो गुना मुआवजा राशि का भुगतान किया जाता है, जिसमें 20 प्रतिशत मुआवजा राशि का भुगतान नगद रूप में तथा बकाया शेष 80 प्रतिशत मुआवजा

राशि के समतुल्य विकसित भूखण्ड उन्हें आवंटित किये जाने का प्रावधान है।

इस संबंध में श्री हिमांशु प्रजापति कार्यकारी संचालक द्वारा अवगत कराया गया है कि स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 अन्तर्गत वर्ष 01 जनवरी 2023 से 01 सितम्बर 2023 में जिन भूमि धारकों से भूमि एम.पी.आई.डी.सी. द्वारा प्राप्त की जाकर विक्रयपत्र पंजीकृत किये गये थे। ऐसे भूमि धारकों को आज स्मार्ट इण्डस्ट्रीयल टाऊनशिप सेक्टर-7 में व्यावसायिक तथा रहवासी भूखण्डों का आवटंन सॉफ्टवेयर/लॉटरी के माध्यम से एम.पी.आई.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय में किया गया। श्री प्रजापति ने बताया कि उक्त प्रक्रिया के तहत कुल इक्कीस करोड़ सत्तावन लाख रूपये के 04 व्यावसायिक तथा 196 आवासीय, कुल 200 भूखण्डों का आवंटन किया गया है। श्री प्रजापति ने बताया है कि वर्ष 2023 के शेष भू-स्वामी जिनके द्वारा एम.पी.आई.डी.सी., को भूमि सौंपी जाकर पंजीकृत विक्रय पत्र पंजीकृत किये गये हैं, उनका आवंटन 22 अगस्त 2025 को एम.पी.आई.डी.सी. क्षेत्रीय कार्यालय में किया जायेगा।

CRIME

शेयर ट्रेडिंग में करोड़ों की ठगी, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शेयर ट्रेडिंग और मार्केटिंग के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले शातिर आरोपी अभिषेक भट्ट (40), निवासी चिकित्सक नगर, को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने मध्यप्रदेश सहित देशभर के लोगों को फर्जी निवेश योजनाओं में फंसाकर भारी रकम हड़पी।

सबसे बड़ी ठगी में आरोपी ने मुंबई के व्यापारी प्रतीक खंडेलवाल से अनलिस्टेड कंपनी ईएसडीएस के 75,000 शेयर बेचने के नाम पर कुटरचित दस्तावेज तैयार कर 2.21 करोड़ की धोखाधड़ी की। शिकायत पर अपराध क्रमांक 146/2025 धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार किया। पुलिस को शक है कि वह अन्य ठगी मामलों में भी शामिल है, जिनका खुलासा आगे की जांच में होगा। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर की गई यह कार्रवाई वित्तीय धोखाधड़ी पर सख्ती के उद्देश्य से की गई है।

ब्राउन शुगर के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच की कार्रवाई

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने नशे के कारोबार पर कार्रवाई करते हुए धान मंडी, छोटा बांगड़दा रोड क्षेत्र से हिस्ट्रीशीटर विनोद जाधव (24) को 11.75 ग्राम ब्राउन शुगर (अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग एक लाख) के साथ गिरफ्तार किया। अभियान के दौरान संदिग्ध गतिविधि की सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को पकड़ा, जो पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहा था।

पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह नशे का आदी है और सस्ते दामों पर ड्रग्स खरीदकर महंगे दामों पर बेचता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, वह एक दर्जन से अधिक आपराधिक मामलों में जेल जा चुका है। आरोपी के खिलाफ थाना अपराध शाखा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई जारी है।

7.27 किलो गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

इंदौर। शहर में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच ने बुधवार को लोखंडे पुलिया के पास बड़ी कार्रवाई की। पुलिस ने घेराबंदी कर दो संदिग्धों को पकड़कर उनके कब्जे से 7.270 किलो गांजा (अंतरराष्ट्रीय कीमत करीब 70,000 रुपये) और एक मोटरसाइकिल जब्त की। गिरफ्तार आरोपियों में राजदीप मंसारे निवासी देवझिरी कॉलोनी, बड़वानी और सुनील सोलंकी निवासी वाक्या मोहल्ला, सेधवा, बड़वानी शामिल हैं। पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे सस्ते दाम पर गांजा खरीदकर इंदौर में नशे के आदी लोगों को महंगे दाम पर बेचते थे। पुलिस जांच में सामने आया कि राजदीप मंसारे आदतन अपराधी है और वर्ष 2022 में थाना पलासिया के एक हत्या प्रकरण में जेल जा चुका है।

मीडियाकर्मी सागर चौकसे पर हमले के विरोध में पत्रकार एकजुट

इंदौर। पत्रकार सागर चौकसे पर हुए हमले के विरोध में शहर के पत्रकार बड़ी संख्या में एकजुट होकर पुलिस आयुक्त संतोष सिंह से मिले। इस दौरान प्रेस क्लब उपाध्यक्ष दीपक कर्दम, संजय त्रिपाठी, अंकुर जायसवाल, विनय यादव सहित अनेक वरिष्ठ पत्रकार मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त से मिले, आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग

पत्रकारों ने इस घटना को गंभीर बताते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस आयुक्त ने मामले को संवेदनशील मानते हुए अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि पत्रकारों की सुरक्षा और निर्भीक कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जाएगा।

प्रेस क्लब उपाध्यक्ष दीपक कर्दम, संजय त्रिपाठी और अंकुर जायसवाल ने कहा कि यह हमला केवल एक पत्रकार पर नहीं, बल्कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा हमला है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आलोक नगर में युवती ने फांसी लगाकर दी जान

इंदौर। आजाद नगर थाना क्षेत्र के आलोक नगर में 22 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका वर्षा पिता रूप बघेल एक निजी कंपनी में नौकरी करती थी। घटना के समय वह घर पर अकेली थी,जबकि माता-पिता और भाई काम पर गए हुए थे। शाम को पिता लौटे तो बेटी को फंदे पर लटका पाया और तत्काल परिजनों को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, वर्षा पिछले दो दिनों से ऑफिस नहीं जा रही थी और परिजनों को तबीयत खराब होने का कारण बता रही थी। बुधवार को भी परिजन काम पर चले गए, जिसके बाद उसने यह कदम उठाया।

घटना के बाद परिजनों ने युवती का मोबाइल देखा, जिसमें व्हाट्सएप चैट पर कुछ मैसेज दिखाई दिए,जो कुछ देर बाद डिलीट हो गए और फोन लॉक हो गया। इससे आशंका जताई जा रही है कि वर्षा आखिरी समय में किसी से बातचीत कर रही थी। फिलहाल पुलिस ने मोबाइल जब्त नहीं किया है,लेकिन चैट और कॉल रिकॉर्ड की जांच की संभावना जताई है। वर्षा के परिवार में माता-पिता और एक छोटा भाई है,जो ट्रांसपोर्ट व्यवसाय से जुड़ा है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

8 कुख्यात बदमाश 6 माह के लिए जिलाबदर

इंदौर। पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए 13 आदतन अपराधियों पर प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की है। इसमें 8 कुख्यात बदमाशों को 6 माह के लिए इंदौर व आसपास के जिलों की राजस्व सीमा से बाहर जिलाबदर किया गया है, जबकि 5 अन्य अपराधियों पर निर्बन्धन (थाना हाजिरी) आदेश लागू किए गए हैं। जिलाबदर किए गए बदमाशों में समीर उर्फ सेंडी, रिजवान उर्फ मामा,तबरेज उर्फ गबरू,इसरार उर्फ गब्बा,लवीन उर्फ भूपेन,राज उर्फ लल्ला,आकाश चौहान और अजय उर्फ अज्जू शामिल हैं। इन पर विभिन्न थानों में गंभीर अपराध दर्ज हैं और पूर्व में की गई कार्यवाही के बाद भी ये अपराध में सक्रिय थे।

वहीं, नितिन उर्फ अप्पी, लक्की उर्फ लखन,अमित उर्फ बारिक,विनय उर्फ लल्ला और शुभम कैथवास पर 6 माह से 1 वर्ष तक के लिए थाना हाजिरी की पाबंदी लगाई गई है। इन्हें सख्त चेतावनी दी गई है कि वे अवैध गतिविधियों से दूर रहें और लोकशांति भंग न करें।

इंदौर में शराब माफिया पर मेहरबान सिस्टम

अवररेट बिक्री, नकली शराब और अहातों पर नहीं हो रही कार्रवाई

इंदौर। शहर में अवैध शराब का कारोबार बेखौफ जारी है और जिम्मेदार विभागों की कथित मेहरबानी से यह धंधा दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चाहे ओवररेट पर शराब बेचना हो,अवैध अहातों का संचालन हो या नकली शराब का कारोबार-हर जगह मिलीभगत के आरोप लग रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार, इंदौर जिले में कई स्थानों पर आबकारी विभाग की अनदेखी (या मदद) से न केवल अवैध अहाते संचालित हो रहे हैं, बल्कि देर रात तक शराब की दुकानें पर शराब मील रहीं है। शराब ठेकेदार खुद को मानो शहंशाह समझने लगे हैं। कई बार सीएम हेल्पलाइन और संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दर्ज कराई गईं, लेकिन इसके बाद भी यह काला कारोबार बेरोकटोक जारी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति इस ओर संकेत करती है कि आबकारी विभाग के बड़े से लेकर छोटे कर्मचारी तक इस गोरखधंधे में संलिप्त हैं। नकली शराब का धंधा न सिर्फ कानून-व्यवस्था के लिए चुनौती है,बल्कि लोगों के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन रहा है।

जनता में इस स्थिति को लेकर भारी नाराजगी है। लोग सवाल कर रहे हैं कि आखिर कब तक यह कारोबार यूं ही चलता रहेगा और कानून की आड़ में शराब माफिया को संरक्षण मिलता रहेगा। नागरिकों का मानना है कि यदि सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो यह समस्या आने वाले समय में और विकराल रूप ले सकती है।

दादी को बचाने में झुलसी पोती की भी मौत, पारिवारिक विवाद में तीन जानें गईं

इंदौर। लसूडिया थाना क्षेत्र के निरंजनपुर में हुए दर्दनाक पारिवारिक विवाद ने आखिरकार तीन जिंदगियां लील लीं। 12 दिन पहले दादी को बचाने के प्रयास में झुलसी पोती पलक करेले ने भी एमवाय अस्पताल में दम तोड़ दिया।

घटना 1 अगस्त की है, जब पलक के दादा रामबाबू ने पारिवारिक विवाद के चलते अपनी पत्नी पानबाई पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। आग में पानबाई बुरी तरह झुलस गईं, वहीं पास में मौजूद पलक भी लपटों की चपेट में आ गई। घटना के बाद रामबाबू ने ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली।

पूर्व विवाद में चाकूबाजी करने वाले दो आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

इंदौर। भंवरकुआं थाना पुलिस ने पूर्व विवाद के चलते चाकू से जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को मात्र 24 घंटे में गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार प्रभू सिंह डाबर (32) और संतोष सिंह डाबर (26) के खिलाफ पहले से कई गंभीर अपराध दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से घटना में प्रयुक्त दो चाकू और बलेनो कार (एमपी-09-डीडी-0313) जब्त की।

पुलिस के अनुसार, 1 अगस्त को विवाद के दौरान कार का कांच टूटने की घटना हुई थी। इसी रंजिश में 10 अगस्त को आरोपियों ने फरियादी संजू बघेल को तलाशते हुए मौके पर मौजूद शिवम यादव और गोपाल पाटिल पर चाकू से हमला कर दिया। घायलों को इलाज के लिए भेजा गया।

डीसीपी डॉ. ऋषिकेश मीणा और एडीसीपी दिषेश अग्रवाल के निर्देश पर थाना प्रभारी राजकुमार यादव की टीम ने बिलावली तालाब के पास दबिश देकर आरोपियों को पकड़ा। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

सीएम मोहन यादव का कांग्रेस पर हमला

राहुल गांधी केवल बांटने की राजनीति करते हैं

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 15 अगस्त को राजधानी भोपाल में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर जमकर बरसे। उन्होंने राहुल गांधी को मोटी चमड़ा का बताया। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि कोर्ट से बार-बार लताड़ लगने के बाद भी राहुल गांधी को कोई फर्क नहीं पड़ रहा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नहीं चाहती कि भारत के विभाजन और उसके जिम्मेदारों पर बात की जाए। जनता सब देख रही है। अपनी हरकतों की वजह से ही कांग्रेस हाशिए पर चली गई है। सीएम डॉ. यादव ने यह बात रवींद्र भवन में आयोजित आजादी का महापर्व कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय अलंकरण समारोह में कही।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज कैसा समय आ गया है। चुनाव में भैया खुद हार गए, उनकी पार्टी हार गई। अब वे चुनाव आयोग पर ठीकरा फोड़ रहे हैं। वे भूल जाते हैं कि अगर दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र अगर जीवित है, तो चुनाव आयोग की वजह से जीवित है। हमें इस बात का गर्व है। चुनाव आयोग हमेशा अपनी परीक्षाओं पर खरा उतरता आ रहा है। राहुल गांधी चुनाव आयोग ही नहीं सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट पर भी आरोप लगाते हैं। उन्हें कितनी बार कोर्ट लताड़ लगा चुका है। लेकिन, वो इतनी मोटी चमड़ी के हैं कि उन्हें फर्क ही नहीं पड़ता। जब उन्होंने चौकीदार शब्द के बार में कुछ कहा था तो सुप्रीम कोर्ट ने दंडित किया था।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अब तो कांग्रेस ने हद ही कर दी। कांग्रेस पार्टी सुप्रीम कोर्ट चली गई कि विभाजन की विभीषिका पर बात नहीं करना चाहिए। ये कोई बात हुई क्या। ये तो ध्रुव सत्य है कि 14 अगस्त 1947 को देश का बंटवारा हुआ। और, यह भी बात सही है कि देश के बंटवारे के समय सत्तारूढ़ पार्टी कांग्रेस थी।

इसलिए जब भी देश के बंटवारे की बात आएगी तो तत्कालीन सत्ताधीश की भी बात होगी। दुर्भाग्य के साथ कहना पड़ता है कि जब भी बात करो तो कांग्रेस बचकर दाएं-बाएं निकल जाती है। लेकिन, अब सारी जनता देख रही है। यही कारण है कि एक तरफ ये रो रहे हैं, तो दूसरी तरफ 56 इंच वाले की पार्टी सुशासन के लिए जो बन सकता है वो कर रही है।

सितंबर में होगी ओबीसी आरक्षण और पदोन्नति मामले की सुनवाई

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकारी भर्तियों में ओबीसी आरक्षण मामले की लड़ाई अब निर्णायक मोड पर पहुंच गई है। ओबीसी मामले में रोजाना सुनवाई 23 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को अति महत्वपूर्ण मानते हुए 'टॉप ऑफ द बोर्ड' की श्रेणी में रखा है। दरअसल, राज्य सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल के एम नटराज और महाधिवक्ता प्रशांत सिंह द्वारा बताया गया कि उच्च न्यायालय द्वारा ओबीसी आरक्षण पर स्थगन के कारण नई भर्तियों में आ रही दिक्कतों को देखते हुए जल्द सुनवाई की जाएगी।

ओबीसी को 27 फीसदी आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई में भर्ती सहित अन्य विषयों पर असर की चर्चा। सुप्रीम कोर्ट सितम्बर से नियमित सुनवाई को तैयार, लेकिन स्टे हटाने से किया इनकार। इधर, हाईकोर्ट में प्रमोशन में आरक्षण पर सरकार की ओर से अर्जेन्ट हियरिंग का आवेदन। मंगलवार को केस लिस्टेड हुआ। लेकिन चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा के उपलब्ध नहीं होने की वजह से सुनवाई की तिथि आगे बढ़ी।मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने विधानसभा में पहले ही स्पष्ट कर दिया था कि प्रदेश सरकार 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है। विपक्ष पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा था कि कांग्रेस ने इस मुद्दे पर दोहरा रवैया अपनाया और कमजोर तथ्यों के आधार पर अपनी बात रखी।

मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा फ्लाइओवर तैयार

23 अगस्त को नितिन गडकरी करेंगे लोकार्पित

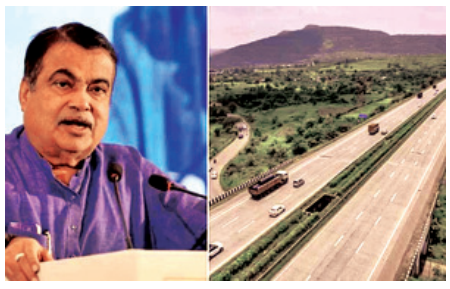

भोपाल। मध्यप्रदेश का सबसे बड़े फ्लाइओवर का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। जबलपुर में बने इस फ्लाइओवर के आधिकारिक लोकार्पण का दिन भी तय हो गया है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी इसे लोकार्पित करने जबलपुर आएंगे। फ्लाइओवर कई माह पहले ही बन चुका था लेकिन इसके लोकार्पण पर पेंच फंसा हुआ था। बीजेपी की अंदरुनी राजनीति की वजह से फ्लाइओवर का आधिकारिक तौर पर शुभारंभ नहीं हो सका था। इसके विरोध में कांग्रेस जनांदोलन भी कर चुकी थी। अब बीजेपी और राज्य सरकार ने फ्लाइओवर के आधिकारिक लोकार्पण की तिथि की घोषणा कर दी है।

प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने गत दिवस नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर फ्लाइओवर के लोकार्पण के लिए विधिवत आमंत्रित किया था। उन्होंने इस पर अपनी सहमति दी।

केंद्रीय सड़क मंत्री नितिन गडकरी की मंजूरी के बाद फ्लाईओवर का लोकार्पण 23 अगस्त को किया जाएगा। जबलपुर में आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री गडकरी के साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल होंगे।

जबलपुर के इस फ्लाईओवर ने प्रदेश में आधुनिक आधारभूत संरचना के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। इससे शहर का यातायात का दबाव कम हो गया है। 6.855 किलोमीटर लंबाई वाला यह फ्लाइओवर जबलपुर के नए और पुराने इलाकों को जोडता है। एलिवेटेड कॉरिडोर 1052 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजादी का महापर्व कार्यक्रम में प्रदान किए राष्ट्रीय अलंकरण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश की धरती अनेक वीर योद्धाओं, स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्र सेवियों द्वारा राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए जीवन का बलिदान करने की साक्षी रही है। राष्ट्र के निर्माण में भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाली विभूतियां अभिनंदन की पात्र हैं। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर ऐसी विभूतियों का चयन कर उन्हें सम्मानित करने की परम्परा है। संस्कृति, पर्यटन और सहयोगी संस्थाओं ने अभिनव और गरिमामय कार्यक्रम आयोजित किया है, जो सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रवीन्द्र भवन, स्थित हंसध्वनि सभागार में आजादी का महापर्व कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय अलंकरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर देश की गणमान्य हस्तियों को वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान, अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद राष्ट्रीय सम्मान, महर्षि वेद व्यास राष्ट्रीय सम्मान और महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया।

नेशनल लोक अदालत 13 सितंबर को

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत में समझौते के माध्यम से प्रकरणों को निराकृत किया जाएगा। उन्होंने विद्युत अधिनियम 2003 धारा 135 के अंतर्गत विद्युत चोरी के लंबित प्रकरणों एवं विशेष न्यायालयों में विचाराधीन प्रकरणों के निराकरण के लिए विद्युत उपभोक्ताओं एवं उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे अप्रिय कानूनी कार्यवाही से बचने के लिए लोक अदालत में समझौता करने के लिए संबंधित बिजली कार्यालय से संपर्क करें।

प्रदेश में निर्माण स्थलों पर ड्रोन निगरानी, इंजीनियर के साथ होगा निरीक्षण

भोपाल। सरकारी स्कूल, अस्पताल व कार्यालयों के भवनों का निर्माण करने वाला मप्र भवन विकास निगम हाईटेक होता जा रहा है। यहां निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर नजर रखने के लिए मैदान में निरीक्षण और साइट इंजीनियरों की तैनाती के अलावा अब ड्रोन के जरिए मुख्यालय के अफसर भी निगरानी करने लगे हैं।

बीते हफ्ते ही निगम की 200 से अधिक निर्माण कार्य स्थलों पर हाईटेक ड्रोन की तैनाती कर दी है, जो साइट पर कामों की लाइव स्थिति बताते हैं। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए इस तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। ड्रोन से भी कामों पर नजर रखी जाएगी।

निगम सरकार के सामने भी एक प्रस्ताव रखने वाला है, जिसमें निगम द्वारा किए जाने वाले कामों को चिह्नित किया जा सकता है, ताकि गुणवत्ता व निगम के पास कामों की निरंतरता बनी रहे। इसके साथ ही उच्च प्रबंधन इस बात पर भी जोर दे रहा है कि निगम के निर्माण कार्यों में उसकी भागीदारी और बढ़े, ऐसा करने से सरकार द्वारा कराए जा रहे कामों की प्रगति में तेजी तो आएगी ही, अलग-अलग एजेंसियों काम कराने से गुणवत्ता बेहतर होगी। फायदा सरकार-जनता को होगा। निगम के अफसर विभागों से इसके लिए संपर्क कर रहे हैं।

निगम के प्रबंध संचालक सिबि चक्रवर्ती का कहना है कि मौजूदा समय में मैनपावर की भारी कमी से जूझना पड़ रहा है, जो है वह तकनीकी रूप से पूरी तरह दक्ष नहीं है। उनको दक्ष बना रहे हैं। इसकी कमी पूरी होने तक साइडों की निगरानी में ड्रोन की भी मदद ले रहे हैं। निगम के पास प्रदेश में चल रहे कामों की स्थिति अन्य एजेंसियों की तुलना में अच्छी बताई जा रही है। यह निगम सरकारी एजेंसियों, उपक्रमों के लिए भवनों से लेकर अधोसंरचनात्मक काम कराता है।

निर्माण स्थल ओवरटाइम और बजट से ज़्यादा काम करने के लिए कुख्यात हैं। नतीजतन, यह सभी के लिए सिरदर्द बन जाता है-मालिक पैसे की बर्बादी देखते हैं, ठेकेदार निराश ग्राहकों का सामना करते हैं, और मज़दूर समय की कमी को पूरा करने के लिए संघर्ष करते हैं।

हादसों पर लगेगा ब्रेक, रेलवे ने वर्क साइट सुरक्षा के लिए जारी किए कड़े निर्देश

भोपाल। रेलवे बोर्ड ने ट्रैक एवं निर्माण कार्य स्थलों (वर्क साइट्स) पर सुरक्षा मानकों के कड़ाई से पालन के लिए नए सिरे से सख्त निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने यह कदम हाल के महीनों में मेंटेनेंस एवं कंस्ट्रक्शन साइट्स पर हुए हादसों और ट्रेन के पटरी से उतरने जैसी घटनाओं को देखते हुए उठाया है। रेलवे बोर्ड का कहना है कि इनमें से अधिकांश घटनाओं को यदि निर्धारित प्रोटोकाल और आवश्यक सावधानियों का पालन किया जाता, तो टाला जा सकता था।

बोर्ड ने पाया है कि परमानेंट-वे कार्यों के दौरान कुछ मामलों में सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन पूरी तरह नहीं किया गया, जिससे परिचालन सुरक्षा पर खतरा उत्पन्न हुआ। इस पर सख्त रुख अपनाते हुए बोर्ड ने स्पष्ट कर

दिया है कि वर्क साइट पर सक्षम रेलवे सुपरवाइजर की मौजूदगी अनिवार्य होगी, और यह सुनिश्चित करना होगा कि कार्य पूरी तरह सुरक्षित तरीके से पूरा हो तथा ट्रेन संचालन में कोई बाधा या खतरा न हो।

निर्देशों में कहा गया है कि पहले से जारी सभी सुरक्षा दिशा-निर्देशों का पालन अनिवार्य है। वरिष्ठ डीईएन-डीईएन सभी कार्य स्थलों की समय-समय पर समीक्षा करेंगे और सुरक्षा तैयारियों की जांच करेंगे। कार्य की प्रगति और गुणवत्ता की निगरानी के लिए ट्रैक के प्रमुख पैरामीटर्स जैसे गेज, क्रास लेवल और वर्साइन को एक साइट रजिस्टर में दर्ज करना अनिवार्य किया गया है। यह रजिस्टर प्रत्येक वर्क साइट पर उपलब्ध रहेगा व डिविजनल इंजीनियर द्वारा इसका नियमित सुपर चेक किया जाएगा।

आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां, जो खून साफ करे

शारीरिक गतिविधि की कमी, अस्वस्थ भोजन की खराब आदतें, और मांस-उत्पादों को खाने से रक्त और शरीर में विषाक्त पदार्थों का निर्माण हो सकता है। इसलिए, खून को साफ करना, आपकी इम्यून में सुधार, हृदय रोगों की रोकथाम, आपके स्वास्थ्य में सुधार और कैंसर से लड़ने का एक अच्छा तरीका है। इसके लिए हमारे पुरातन आयुर्वेद में कई तरह की औषधियां उपलब्ध है। आज हम आपको कुछ लोकप्रिय भारतीय जड़ी-बूटियों के बारे में बताएंगे, जो आपके रक्त की सफाई करने के गुणों के लिए जानी जाती हैं।

1. रक्त को शुद्ध करने में मदद करे शहद-शहद खून का उत्पादन, धमनी की दीवारों की सुरक्षा, रक्त के बहाव में सुधार और रक्त को शुद्ध करने में मदद करता है। शहद प्रकृति में एंटी-बैक्टीरियल भी है, इसलिए यह संक्रमण को रोकने का एक बढ़िया तरीका होता है।

2. खून की सफाई के लिए महत्वपूर्ण है नीम-नीम में एंटीसेप्टिक, कवक-विरोधी और एंटी-वायरल गुण हैं, जो खून की सफाई के लिए महत्वपूर्ण है। नीम खून के थक्के कम करने में भी मदद करता है और त्वचा की बीमारियों, शरीर के अल्सर, गठिया और दन्त-रोगों का इलाज करने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

3. रक्त में विषाक्त पदार्थों को साफ करे गुडूची-गुडूची एक डेटोक्सिफ्यिंग एजेंट युक्त जड़ी बूटी है, जो रक्त को शुद्ध करती है। जो लोग अधिक धूम्रपान करते हैं और शराब पीते हैं, उनके लिए यह जड़ी बूटी फायदेमंद है, क्योंकि इससे रक्त में निर्मित विषाक्त पदार्थों को साफ़ करने में मदद मिलती है।

4. रक्त की गुणवत्ता में सुधार करे आंवला-आंवला लोहे के एकीकरण से रक्त की गुणवत्ता में सुधार करता है और शरीर से विषाक्त पदार्थों को साफ़ करता है। आंवला भी हृदय रोग में लाभदायक है, क्योंकि यह खून का पोषण करता है और रक्त परिसंचरण में सुधार करता है और आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली या इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। यह लिवर और पैंक्रियास के कार्य को बेहतर बनाता है और आंवले के अलावा इस पौधे की पत्तियां, बीज, छाल और जड़ों के कई अन्य गुण भी होते हैं।

5. खून साफ करने के लिए लाभदायक धतुरे की जड़-धतुरे की जड़ शरीर के लिए हानिकारक, एसिड को बाहर निकालने से, खून को साफ करती है। यह किडनी की, रक्त शुद्ध करने में, मदद करती है और पिट्यूटरी ग्रंथि से प्रोटीन रिलीज करके, हार्मोन की संतुलित करने में मदद करती है।

6. रक्त की सफाई के लिए गुणकारी है लहसुन-लहसुन प्राकृतिक रूप से रक्त की सफाई करता है, जिससे कई समस्याओं जैसे, जैसे कि सर्दी, खांसी, गले में खराश, पाचन समस्याओं, श्वसन संक्रमण, सौंदर्य और त्वचा से संबंधित समस्याओं जैसे मुंहासे, फफूंद संक्रमण और एक्जिमा आदि का इलाज किया जा सकता है। इसमें फाइटोकेमिकल्स शामिल होते हैं, जो लिवर विषाक्तता में बहुत सहायक हैं। लहसुन रक्त से वसा को हटाता है, और रक्तचाप को सामान्य करता है और कोलेस्ट्रॉल का स्तर भी कम करता है।

7. रक्त के शुद्धिकरण में मदद करे अमर बेल-इसे फूल की तरह खाएं, जोकि एक लाभदायक जड़ी बूटी भी मणि जाती है, क्योंकि यह रक्त के शुद्धिकरण में मदद करती है। अमर बेल लिवर और किडनी स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में भी मदद करती है।

8. खून की बीमारियों को दूर करे करेला-करेले में खून को साफ़ करने के गुण होते है। यह कई स्वास्थ्य लाभ जैसे, कैंसर, बवासीर, मधुमेह, वजन घटाने, उच्च कोलेस्ट्रॉल, त्वचा रोग आदि को कम कर देता है। इससे आपकी प्रतिरक्षा शक्ति में सुधार होता है, और यह रक्त को शुद्ध करके त्वचा के संक्रमण, एक्जिमा और छालरोग को ठीक करता है। करेले के रस को खून की बीमारियों, जैसे रक्तयुक्त फोड़ा और खुजली, सेप्टेक्सीमिया के कारण जलन का इलाज करने के लिए भी पिया जाता है।

9. रक्त को साफ करे शहतूत-आयुर्वेद का मानना है कि शहतूत रक्त को साफ करता है और खून का उत्पादन भी बढ़ाता है। शहतूत कार्डियोवास्कुलर सिस्टम की भी रक्षा करते हैं और लिवर को भी हानिकारक अशुद्धियों से साफ़ करते हैं।

10. रक्त को शुद्ध करे तुलसी-तुलसी में शरीर से हानिकारक विष सामग्रियों को निकालने के लिए आपके रक्त को शुद्ध करने की बहुत अच्छी शक्ति है। तुलसी मलेरिया, पीलिया, ठंड और खांसी, अम्लता, हेपेटाइटिस, बुखार, एक्जिमा, दाद, मधुमेह और फंगल संक्रमणों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। यह शरीर में रक्त के प्रवाह को सामान्य बनाती है। तुलसी को नियमित खाने से रक्त में सफ़ेद रक्त कोशिकाएं और आरबीसी बढ़ जाती है और यह रक्त के थक्के को भी हटा देती है।

आयुर्वेद : शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का सामंजस्य

लगभग 5000 वर्ष पहले भारत की पवित्र भूमि में शुरु हुई आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति लंबे जीवन का विज्ञान है और दुनिया में स्वास्थ्य के देखभाल की सबसे पुरानी प्रणाली है जिसमें औषधि और दर्शन शास्त्र दोनों के गंभीर विचारों शामिल हैं। प्राचीन काल से ही आयुर्वेद ने दुनिया भर की मानव जाति के संपूर्ण शारीरिकए मानसिक और आध्यात्मिक विकास किया है । आज यह चिकित्सा की अनुपम और अभिन्न शाखा है, एक संपूर्ण प्राकृतिक प्रणाली है जो आपके शरीर का सही संतुलन प्राप्त के लिए वातए पित्त और कफ सा नियंत्रित करने पर निर्भर करती है।

केरल, आयुर्वेद की भूमि

केरल जिसने विदेशी और देशी दोनों प्रकार के अनेक आक्रमणों और घुसपैठ का सामना किया हैए का आयुर्वेद के साथ अटूट संबंध रहा है। सैकड़ों वर्षों से केरल में हर तरह की बीमारी का इलाज करने के लिए लोग आयुर्वेद वैद्य; आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में पारंपरिक अभ्यास करने वालेद्ध ही निर्भर रहा करते थे। वैद्यों के विख्यात आठ परिवार; अष्ट वैद्यद्ध और उनके उत्तराधिकारियों ने सदियों से इस राज्य में उपचार सेवा प्रदान की है। अन्य भारतीय राज्यों की तरह केरल में आयुर्वेद ने केवल वैकल्पिक चिकित्सा नहीं बल्कि मुख्य चिकित्सा है। वास्तव मेंए आज केरल भारत का एकमात्र ऐसा राज्य है जहाँ आयुर्वेद चिकित्सा प्रणाली को पूरे समर्पण के साथ अपनाया जाता है।

लोगों के इलाज के एकमात्र साधन के रूप में केरल के वैद्यों को आयुर्वेद के सिद्धांतों का अर्थ निर्वचन करना पड़ता था और रोज़मर्रा के जीवन में प्रभावी इलाज करने के लिए उन्हें सक्रिय रूप से अपनाना पड़ता था। इस तरह आयुर्वेद के लगभग सभी समकालीन प्रक्रियाएँ और नियम केरल के इर्द-गिर्द घूमते हैं।

प्रकृति का वरदान

केरल की संतुलित जलवायु, वनों की स्वाभाविक प्रचुरता और मानसून का ठंडा मौसम आयुर्वेद के उपचार करने वाले और कष्ट निवारण के लिए

बहुत उपयुक्त हैं। केरल शायद इस पृथ्वी के ऐसे कुछेक जगहों में एक है जहाँ लगातार बारिश में भी तापमान 24 से 28 डिग्री तक बना रहता है। हवा में और त्वचा में इतनी आर्द्रता के कारण प्राकृतिक दवाइयाँ अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करती हैं। इस राज्य में अनेक जड़ी बूटियाँ पाई जाती हैं और कारगर इलाज की प्रकिया के लिए आवश्यक आयुर्वेदिक दवाइयाँ लगातार उपलब्ध रहती हैं। हर मौसम में समान क्षमता की समान जड़ी.बूटियाँ हर वर्ष उपलब्ध रहती हैं। विभिन्न जगहों की अलग अलग मिटिटी की तुलना में मिट्टी की अल्कालाएट मात्रा अनेक आयुर्वेदिक दवाइयों के गुणधर्म और क्षमता को बढ़ती है।

केरल के आयुर्वेदिक इलाज के फायदे

अष्टांगहृदयम जो आयुर्वेद का व्यावहारिक और आसान अर्थ निर्वचन है जिसे महान संत वाग्भटा द्वारा समेकित किया गया हैए का दुनिया में कहीं भी इतना इस्तेमाल नहीं किया जाता है जितना केरल में किया जाता है। केरल के वैद्य आयुर्वेद के इस सर्वाधिक समकालीन इलाज में दक्ष होते हैं और अनेक विद्वान मानते हैं कि इन वैद्यों ने आयुर्वेद के अग्रणी विशेषज्ञ चरक और सुश्रुत द्वारा किए गए कार्य को आगे बढ़ाया है। केरल में ही कषाय चिकित्सा; काढ़े द्वारा उपचारद्ध का मानकीकरण किया गया जिसमें हज़ारों कषायम को वैज्ञानिक ढंग से वर्गीकृत किया जाता है और इलाज की ज़रूरतों के अनुसार तैयार किया जाता है। केरल के वैद्यों ने ही पहली बार अभयंगम के एन्टी ऑक्सीडेंट गुणधर्मों पर ध्यान दिया जिसके कारण किझी अधिक होता है। दुनिया की किसी भी जगह की तुलना में केरल के आयुर्वेद कॉलेजों की संख्या और इस पद्धति की प्रैक्टिस करने वाले लोग यहाँ सबसे अधिक हैं जिसके कारण यहाँ वैज्ञानिक विधि से आयुर्वेदिक अनुसंधान करने की परंपरा बनी।

जीवन शैली के रूप में आयुर्वेद

केरल में आयुर्वेद न केवल स्वास्थ्य की देखभाल करने की प्रणाली है बल्कि आयुर्वेद यहाँ के लोगों के जीवन के हर पहलू में है। लकवाग्रस्त लोगों का ठीक होकर चलनाए लाइलाज बीमारियों का इलाज जैसे चमत्कार यहाँ आए दिन होते रहते हैं जिसके कारण यहाँ के वैद्यों को लोग सम्मान से देखते हैं और आश्चर्य भी करते हैं।

आयुर्वेद से संभव है लकवे का इलाज

लकवा का आयुर्वेदिक उपचार न केवल आरामदायक है, बल्कि अन्य प्रकार के उपचारों से सस्ता भी है। कई तरह की विधियां हैं इसके उपचार की, जिनका सही उपयोग किया जाए, तो मरीज को जल्द ही आराम होता है। तुम्बे के बीजों को पानी में पीसकर लकवाग्रस्त अंग पर लेप करने से लाभ होता है।

लहसून की 4 कली सुबह और शाम को दूध के साथ निगलकर ऊपर से दूध पीना चाहिए। लहसून की 8-10 कलियों को बारीक काटकर एक कप दूध में डालकर खीर की तरह उबालें और शक्कर डालकर उतार लें। यह खीर रोगी को भोजन के साथ रोज खाना चाहिए। रसराज रस व वृहत वात चिन्तामणि रस 5-5 ग्राम, एकांगीवीर रस, वात गजांकुश रस, पीपल 64 प्रहरी, तीनों 10-10 ग्राम। सबको मिलाकर पीस लें। इनकी 60 पुड़िया बना लें। सुबह-शाम 1-1 पुड़िया शहद के साथ एक माह सेवन करें। इसके एक घंटे बाद रास्नाशल्लकी वटी व महायोगराज गूगल स्वर्णयुक्त दो दो गोली दूध के साथ लें।

भोजन के बाद दोनों वक्त, महारास्नादि काढ़ा और दशमूलरिष्ट चार-चार चम्मच आधा कप पानी में डालकर पिएं। मालिश के लिए महानारायण तेल, महामाश तेल व बला तल तीनों 50-50 मिली लेकर एक ही शीशी में भरकर मिला लें। दिन में दो बार लकवाग्रस्त अंग पर यह तेल लगाकर मालिश करें। उड़द, कौंच के छिलकारहित बीज, एरंडमूल और अति बला, सब 100-100ग्राम लेकर मोटा-मोटा कूटकर एक डिब्बे में भरकर रख लें। दो गिलास पानी में छह चम्मच चूर्ण डालकर उबालें। जब पानी आधा गिलास बचे तब उतारकर छान लें और रोगी को पिला दें। यह काढ़ा सुबह व शाम को खाली पेट पिलाएं।

भारतीयों को स्वतंत्रता को लेकर आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए : मोहन भागवत

भुवनेश्वर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने स्वतंत्रता दिवस पर भुवनेश्वर में एक सभा को संबोधित किया और शांति एवं सुख की वैश्विक खोज में भारत की अद्वितीय भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने देश की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत पर प्रकाश डाला और राष्ट्र से विश्व को सद्भाव के एक नए युग की ओर ले जाने की ज़िम्मेदारी लेने का आह्वान किया।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सर संघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारतीयों को स्वतंत्रता को लेकर आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता को कायम रखने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत और त्याग करने की ज़रूरत है। सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, ''हमारे पूर्वजों ने सर्वोच्च बलिदान देकर भारत को स्वतंत्रता दिलाई .. हमें भी इसे कायम रखने, देश को आत्मनिर्भर बनाने और विवादों में उलझी दुनिया का मार्गदर्शन करने के लिए 'विश्व गुरु' के रूप में उभरने के लिए उतनी ही मेहनत करनी होगी।

इससे पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के नेता राजेश लोया ने शुक्रवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय में देश के 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया। शहर के महाल क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में आरएसएस के कुछ कार्यकर्ता और प्रचारक भी मौजूद थे। लोया संगठन के नागपुर महानगर संघचालक हैं।

कार्यक्रम में अपने संबोधन में लोया ने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष करने वाले लोगों के योगदान को याद किया। भारतीय सशस्त्र बलों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जब भी किसी ने देश पर बुरी नजर डाली, उन्होंने उसका मुंहतोड़ जवाब दिया।

लोया ने कहा कि दुनिया हैरान है कि भारत ने अपने संसाधनों का इस्तेमाल कर दुश्मनों को हराया। उन्होंने कहा कि यह इसलिए संभव हो पाया क्योंकि हाल के वर्षों में हमारा स्वाभिमान जागृत हुआ है। उन्होंने कहा, ''हम आत्मनिर्भर बन रहे हैं और अपने 'स्व' को जगा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि यह जागृति से शुरू होती है।

अड़ियल रुख अपनाना अन्याय के प्रति झुक जाने से बेहतरः शशि थरूर

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने परोक्ष रूप से अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट पर उनके इस बयान को लेकर निशाना साधा है कि भारत अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता में थोड़ा अड़ियल रुख अपना रहा है। थरूर ने कहा कि अड़ियल रवैया अपनाना, अन्याय के प्रति विनम्र या सहमत होने से कहीं बेहतर है। अक्तूबर के अंत तक सभी शुल्क और व्यापार समझौतों को पूरा करने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते हुए बेसेंट ने कहा था कि वह (भारत) आकांक्षापूर्ण है। बेसेंट ने मंगलवार को 'फॉक्स बिजनेस' के साथ बातचीत में कहा था, ''लेकिन मुझे लगता है कि हम अच्छी स्थिति में हैं। बड़े व्यापार समझौते जो नहीं हुए हैं या जिन पर सहमति नहीं बनी है-उस सिलसिले में स्विट्जरलैंड अब भी बचा हुआ है, भारत थोड़ा अड़ियल रुख अपना रहा है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर और उनके वकीलों की टीम इन सब पर दस्तावेज तैयार करने में व्यस्त है।'' थरूर ने 'एक्स' पर लिखा, ''मैंने सुना है कि कुछ लोग भारत पर अड़ियल होने का आरोप लगा रहे हैं। मैं कहता हूं कि अन्याय के प्रति विनम्र या मौन रहने से बेहतर है कि अड़ियल बना जाए।'' भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल ही रही थी कि ट्रंप ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत शुल्क लगा दिया, जिसमें रूसी तेल की खरीद को लेकर लागू 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ भी शामिल है। यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू होगा। भारत ने इसे अनुचित एवं अतार्किक बताया है।

शिवकुमार ने आरोपों को छवि बिगाड़ने की साजिश बताया

कर्नाटक के धर्मस्थल कस्बे में विभिन्न जगहों पर शवों को सामूहिक रूप से दफनाए जाने के आरोपों की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने मंदिर सूचना केंद्र और आसपास के इलाकों का निरीक्षण किया। इस बीच, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने धर्मस्थल में शवों को सामूहिक रूप से दफनाए जाने के आरोपों को इलाके की छवि बिगाड़ने की 'साजिश' करार दिया।

एसआईटी ने बताया कि शिकायतकर्ता के साथ धर्मस्थल मंदिर परिसर पहुंचे अधिकारियों ने एक सार्वजनिक शौचालय के पास महाजर (मौके पर निरीक्षण) किया और उस जगह का भी निरीक्षण किया, जहां शिकायतकर्ता पिछले वर्षों में मंदिर में काम करते हुए कथित तौर पर रुका था। यह निरीक्षण कड़ी पुलिस सुरक्षा में हुआ।

अधिकारियों ने कहा कि बृहस्पतिवार को किया गया निरीक्षण नियमित जांच प्रक्रिया का हिस्सा था और निष्कर्षों के आधार पर चिन्हित स्थानों की आगे फोरेंसिक जांच की जा सकती है। इस बीच, उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने बेंगलुरु में संवाददाताओं से कहा, 'सैकड़ों वर्षों की विरासत को नष्ट करने की साजिश रची जा रही है। किसी को यूं ही बदनाम करना सही नहीं है। यह सब एक शिकायतकर्ता की वजह से हुआ है।'

शिवकुमार ने कहा कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक में कुछ विधायकों ने धर्मस्थल को बदनाम करने के अभियान में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा, 'मैंने उनसे (कांग्रेस विधायकों से) कहा है कि छवि खराब करने के अभियान में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने भी कहा है कि ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

NCERT के नए मॉड्यूल पर पवन खेड़ा ने दी तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। एनसीईआरटी द्वारा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में जारी एक विशेष मॉड्यूल में मुहम्मद अली जिन्ना, कांग्रेस और तत्कालीन वायसराय लॉर्ड माउंटबेटन को भारत के विभाजन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया गया है। इस मॉड्यूल पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की जुगलबंदी को अंग्रेजों के जाने के बाद भारत के विभाजन के लिए ज़िम्मेदार ठहराया है। मॉड्यूल में कहा गया है कि विभाजन के बाद, कश्मीर एक नई समस्या के रूप में उभरा जो भारत में पहले कभी मौजूद नहीं थी और इसने देश की विदेश नीति के लिए एक चुनौती पैदा कर दी। इसमें यह भी कहा गया है कि कुछ देश पाकिस्तान को सहायता देते रहते हैं और कश्मीर मुद्दे के नाम पर भारत पर दबाव बनाते रहते हैं।इस पर विवाद छिड़ गया है और कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने इस मॉड्यूल को जलाने की मांग की है क्योंकि इसमें सच नहीं बताया गया है। पार्टी प्रवक्ता पवन खेड़ा ने कहा कि इस दस्तावेज़ को जला दो क्योंकि यह सच नहीं बताता। विभाजन हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग की सांठगांठ के कारण हुआ। उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'आरएसएस इस देश के लिए खतरा है। विभाजन का विचार सबसे पहले 1938 में हिंदू महासभा ने फैलाया था। इसे 1940 में जिन्ना ने दोहराया।' रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा के NCERT द्वारा कक्षा 6 से 12 तक के लिए विभाजन विभीषिका दिवस पर विशेष मॉड्यूल जारी करने को लेकर दिए गए बयान पर कहा, 'मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आने वाली पीढ़ी को विभाजन की विभीषिका के बारे में जानने का हक नहीं है?

आवारा कुत्तों के लिए भोपाल में नहीं है शेल्टर होम, जिम्मेदारी पर उठे सवाल

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश में खूंखार आवारा डॉग्स को पकड़कर शेल्टर होम में रखने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन भोपाल में अब तक ऐसा कोई शेल्टर होम नहीं है। लिहाजा इस स्थिति में निगम प्रशासन आवारा डॉग्स को पकड़कर शेल्टर होम में रखने में असमर्थ नजर आ रहा है। हालांकि, अधिकारी कह रहे हैं कि शेल्टर होम बनाने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है, लेकिन चौकाने वाली बात यह है कि पिछले साल बनी शेल्टर होम बनाने की फाइल निगम कार्यालय से गायब है। सूत्रों की मानें तो पिछले साल ही शेल्टर होम बनाने की एक योजना बनाई गई थी, फाइल भी बनाई गई, लेकिन फंड की वजह से योजना पर अमल नहीं हुआ। चूंकि सुप्रीम कोर्ट के आदेश हुए हैं ऐसे में निगम की वेटरनरी शाखा में हड़कंप मचा हुआ है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद इस योजना की फाइल ढूंढी जा रही है, पिछले कुछ दिन से कर्मचारी फाइल को ढूंढ रहे, लेकिन अब तक फाइल किसी को नहीं मिली।

जानकारी के अनुसार जब यह योजना बनाई गई थी, तब एसके श्रीवास्तव वेटरनरी शाखा में ऑफिसर थे। उनके रिटायर होने के बाद यह जानकारी किसी के पास नहीं है कि फाइल कहां रखी है। हालांकि, छह साल पहले भी शहर में शेल्टर होम बनाने की योजना बनी थी और शाहजहांनाबाद में जमीन भी देखी गई थी, लेकिन वह मामला भी ठंडे बस्ते में चला गया। यह स्थिति केवल भोपाल तक सीमित नहीं है। प्रदेश के 16 नगर निगम, 99 नगर पालिका परिषद और 298 नगर परिषद में से किसी के पास भी शेल्टर होम नहीं है। जबकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश हैं कि खूंखार डॉग्स को आबादी से दूर सुरक्षित स्थान पर रखा जाए।

युवाओं के लिए रोजगार और अप्रेंटिसशिप की नई पहल

भोपाल। प्रदेश में युवाओं को रोजगार, स्वरोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इस उद्देश्य से प्रत्येक जिले में प्रतिमाह एक निर्धारित तिथि को 'युवा संगम' का आयोजन किया जा रहा है। रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप के लिए प्रदेश और प्रदेश के बाहर से भी नियोजक और विभिन्न प्लेसमेंट एजेंसियाँ भी उपस्थित रहती हैं, जो संस्थानों के लिए योग्य उम्मीदवारों का चयन कर प्लेसमेंट प्रक्रिया को गति प्रदान करती हैं। युवा संगम में आईटी एवं तकनीकी क्षेत्रों से जुड़ी रिक्तियों जैसे कंप्यूटर ऑपरेटर, फिटर, मशीन ऑपरेटर, ऑटोमेकनिक, वेल्डर के साथ ही रिटेल, कस्टमर सपोर्ट, वाहन विक्रय, रिलेशनशिप मैनेजमेंट, इनबाउंड इंश्योरेंस सेल्स एवं इंश्योरेंस एजेंट जैसे क्षेत्रों से संबंधित रिक्तियाँ के लिए आवेदकों को चयनित किया जाता है।

वर्ष 24-25 में युवा संगम के माध्यम से 78 हजार 868 आवेदकों को ऑफर लेटर प्रदान किये गए। वित्तीय वर्ष 25-26 में 30 जून 2025 तक 22 हजार 944 आवेदकों को ऑफर लेटर प्रदान किये जा चुके हैं। साथ ही 2,522 आवेदकों का अप्रेंटिसशिप के लिए चयन किया गया है।

और द्योगिक प्रशिक्षण संस्था (ITI) भोपाल में पहल करते हुए एक सहकारी संस्था (Co-operative Society) के गठन की प्रक्रिया जारी है, जिसके माध्यम से ITI से उत्तीर्ण छात्र/छात्राएं सीधे फ्रीलांसर (freelancer) के रूप में सेवा-आधारित रोजगार से जुड़ सकेंगे।

इस संस्था का उद्देश्य प्रशिक्षित युवाओं को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ई-कॉमर्स, डिलीवरी, रिपेयर व मेंटेनेंस, रिटेल सेवाएं, तकनीकी सेवा (Plumbing, Electrical, AC technician, etc.) जैसे क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध कराना है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक समीर खान के द्वारा राजा ऑफसेट प्रिंटर्स, 863/9, नेहरू नगर, इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 105, लाला भाई मंजिल, 39-40 न्यू अली कॉलोनी खजराना, इंदौर से प्रकाशित। संपादक-समीर खान* (9424018786), सह-संपादकः अदनान अली (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।)

Email : sameer18786@gmail.com (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)